>

Title: Need to revive closed Textile mills in the country and open new textile mills of NTC in Kanpur and Rai Bareilly in Uttar Pradesh.

श्री राजाराम पाल (अकबरपुर): सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से बहुत ही अविलंबनीय लोक महत्व का मामला इस सदन में उठा रहा हूँ। पूरे देश में आज जो समस्या है जिससे पूरा देश जूझ रहा है, वह भ्रष्टाचार की समस्या है लेकिन इससे भी बड़ी समस्या इस देश में पढ़े-लिखे नौजवानों की बेरोज़गारी की समस्या है। आज आप सड़कों पर जो देख रहे हैं, वह पढ़ा-लिखा नौजवान है। बिना पढ़े-लिखे नौजवान के लिए तो हमने मनरेगा जैसी योजनाएँ बनाई हैं लेकिन पढ़े-लिखे नौजवानों के हाथ में काम देने के लिए हमारे पास कोई योजना नहीं है।

आज़ादी के बाद पूरे देश में बड़ी-बड़ी मिलों की स्थापना की गई थी। मैं यह कहना नहीं चाहता हूं कि किसके कारण ऐसा हुआ। लोग कहते हैं कि कालीदास जिस डाल पर बैठे थे, उसी को काट रहे थे। हमारे देश के मिल-कारखानों को ऐसी ही कालीदासों ने बंद करने का काम किया है। जिसके कारण मजदूरों के परिवार सड़क पर आ गए हैं।

महोदय, उत्तर प्रदेश में कानपुर, जो कि बीआईसी, एनटीसी, लाल ईमली धारीवाल, जिसे सूती उद्योग का हब कहा जाता था, जो कि पूरे संसार में मशहूर था। जिसे भारत का मैनचेस्टर कहा जाता था, वह मैनचेस्टर आज उत्तर प्रदेश के नक्शे में नहीं है। मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि वहां जो बंद पड़ी मिलें हैं, जो कर्मचारी वहां आज सड़क पर घूम रहे हैं, उनके बच्चे भूखे मरने की कगार पर हैं। नई मिलें खोलने में तो बहुत पैसा लगेगा, उन्हीं बंद मिलों को अगर खोला जाए, चाहे वह एलगिन मिल नंबर एक हो, चाहे एलगिन मिल नंबर 2 हो, चाहे लाल इमलीधारीवाल हो, ऐसी मिलों को अगर भारत सरकार थोड़ा पैसा दे दे, तो जो कर्मचारी आज बेरोजगार हैं, जो हड़ताल पर हैं, उन्हें रोजगार मिलेगा। मैं आपके माध्यम से भारत सरकार और कपड़ा मंत्रालय से मांग करना चाहता हूं कि 11 एनटीसी मिलें खुलनी हैं। मेरी मांग है कि कानपुर में भी एक एनटीसी मिल और दूसरी एनटीसी मिल रायबरेली में स्थापना की जाए, ताकि नौजवानों को नौकरी मिल सके और बेरोजगारी की समस्या से निजात मिल सके।